



## भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान वर्सोवा, मुंबई - 400061

### हिंदी पखवाड़ा - 2026 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई में दिनांक 16 से 30 सितंबर 2026 के दौरान आयोजित हिन्दी पखवाड़े का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 05 अक्टूबर 2026 को संस्थान के निदेशक डॉ. एन.पी. साहू की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें प्रसिद्ध कवि एवं हास्य कलाकार श्री सूरज त्रिपाठी, श्री योगेश मिश्रा एवं सुश्री प्रियंका सरगम विशिष्ट अतिथि थे। समापन समारोह के बाद कवि सम्मेलन भी आयोजित किया गया।

इस अवसर पर संयुक्त निदेशक डॉ. केदार नाथ मोहंता ने कहा कि हिंदी भाषा को हमें केवल एक संवैधानिक बाध्यता के रूप में नहीं, बल्कि एक कौशल के रूप में लेना चाहिए। तब हम इसे आसानी से सीख पाएँगे और इसमें अधिक से अधिक काम कर पाएँगे।

विशिष्ट अतिथि श्री योगेश मिश्रा ने कहा कि हिंदी हमें ज़मीन जोड़ती है। ज़मीनी संपर्क टूटने से हम अपनी संस्कृति से अलग हो जाते हैं। कोई भी भाषा हो, वह अपनी माँ की देन है। इसलिए अपनी भाषा से अलग होना माँ से बिछुड़ने जैसा है। इसलिए यहाँ उपस्थित सभी से आग्रह करता हूँ कि हिंदी को दिल से अपनाइए और इसके उत्तरोत्तर विकास के लिए प्रयास करें।

विशिष्ट अतिथि सुश्री प्रियंका सरगम ने कहा कि हिंदी भाषा भावों से भरे हैं और अपनी भाषा का प्रचार-प्रसार करना हम सबका कर्तव्य है। प्रसिद्ध साहित्यकार भारतेन्दु हरिश्चंद्र ने कहा था 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषाज्ञान के-, मिटत न हिय को सूल। हमें अपनी भाषा का गर्व के साथ प्रयोग करना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि श्री सूरज त्रिपाठी ने कहा कि हिंदी हिंद की बिंदी है। भारतमाता की माथे की बिंदी की तरह हिंदी हमेशा सुशोभित रहेगी। वर्तमान डिजिटल युग में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए हमारे पास कई साधन मौजूद हैं। इनका उपयोग करते हुए हमें प्रभावी तरीके से हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करना चाहिए, तभी वास्तव में राजभाषा के रूप में हिंदी का यथार्थ विकास होगा।

कार्यक्रम का अध्यक्ष एवं निदेशक डॉ. एनसाहू ने .पी. कहा कि हिंदी का अधिकाधिक विकास के लिए इसे तकनीक के साथ जोड़ना चाहिए और हिंदी भाषा में रोज़गार के अधिकाधिक अवसरों का सृजन किया जाना चाहिए। हम सब जानते हैं कि भारत एक बहु-भाषी देश है, लेकिन हमारा मुख्य संपर्क भाषा हिंदी है। यह इसलिए कि भारत में अधिकाधिक लोग हिंदी बोलते हैं या समझते हैं। केंद्रीय सरकारी कर्मचारी होने के नाते हमारा कर्तव्य है कि हिंदी के प्रचार-प्रसार में हमारा अधिकाधिक योगदान दें।

इस अवसर पर अतिथियों के करकमलों से 'जलवायु परिवर्तन एवं सतत जलकृषि' नामक पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

इस अवसर पर हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं के लिए अतिथियों के करकमलों से पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र दिए गए। साथ ही वर्ष 2025-26 के दौरान हिंदी में सर्वाधिक कार्य करने वाले विभाग एवं अनुभाग के लिए 'राजभाषा चल वैजयंति पुरस्कार' तथा मूल रूप से हिंदी में कार्य करने के लिए लागू की गई प्रोत्साहन योजना में भाग ले रहे प्रतिभागियों के लिए भी पुरस्कार प्रदान किए गए। श्री जगदीशन ए.के., संयुक्त निदेशक (राजभाषा) ने अतिथियों का स्वागत किया और श्रीमति रेखा नायर, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने आभार प्रकट किया। डॉ. पारोमिता बैनर्जी सांवत, प्रधान वैज्ञानिक ने पूरे कार्यक्रम का संचालन किया।

समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के उपरान्त एक कवि सम्मेलन भी आयोजित किया गया, जिसमें श्री सूरज त्रिपाठी, श्री योगेश मिश्रा एवं कवयित्री सुश्री प्रियंका सरगम द्वारा अत्यंत मनोरंजक प्रस्तुतियाँ दीं।



**ICAR-CENTRAL INSTITUTE OF FISHERIES EDUCATION**  
**Versova, Mumbai – 400061**

---

**Valedictory and Prize Distribution Ceremony of Hindi Fortnight 2026**

The valedictory and prize distribution ceremony of the Hindi Fortnight 2026, which was held during 16-30 September, 2026, organized on October 5, 2026, at the ICAR-Central Institute of Fisheries Education (CIFE), Mumbai, under the chairmanship of the Institute's Director, Dr. N.P. Sahu. Renowned poet and comedian Shri Suraj Tripathi, along with Shri Yogesh Mishra and Ms. Priyanka Sargam, graced the occasion as distinguished guests. A *Kavi Sammelan* was also organized following the closing ceremony.

Speaking on the occasion, Joint Director Dr. Kedar Nath Mohanta remarked that we should view the Hindi language not merely as a constitutional obligation but as a skill. By doing so, we can learn it more easily and maximize its use in our work.

Distinguished guest Shri Yogesh Mishra stated that Hindi connects us to our roots. A loss of connection with the grassroots leads to alienation from our culture. Any language is a gift from one's mother; thus, becoming estranged from one's own language is akin to being separated from one's mother. He urged everyone present to embrace Hindi wholeheartedly and strive for its progressive development.

Distinguished guest Ms. Priyanka Sargam noted that the Hindi language is rich in emotion and that it is the duty of all to promote and propagate it. Quoting the renowned litterateur Bharatendu Harischandra—"Progress in one's own language is the root of all progress; without knowledge of one's own language, the anguish of the heart cannot be dispelled"—she emphasized that we should use our language with pride.

Distinguished guest Shri Suraj Tripathi remarked that Hindi is the 'bindi' (auspicious dot) of 'Hind' (India). Hindi will always shine with grace like a 'bindi' of Mother India's forehead. In the current digital era, we have numerous tools available for the promotion of Hindi. By utilizing these effectively to maximize the use of the language, we can ensure the true and substantial development of Hindi as the Official Language.

The Director Dr. N.P. Sahu, the Chairperson of the program, stated that to foster the extensive growth of Hindi, it should be integrated with technology, and more

employment opportunities should be created within the language. We are all aware that India is a multilingual country, yet Hindi serves as our primary link language; this is because the vast majority of people in India either speak or understand Hindi. As Central Government employees, it is our duty to contribute significantly to the promotion and propagation of Hindi.

On this occasion, a book titled 'Climate Change and Sustainable Aquaculture' was also released by the distinguished guests.

Prizes and certificates were awarded by the guests to the winners of various competitions held during the 'Hindi Fortnight'. Additionally, the 'Rajbhasha Shield' was presented to the department and section that performed the most work in Hindi during the 2025-26 period, and prizes were also awarded to participants in the incentive scheme designed to encourage original work in Hindi.

Mr. Jagadeesan A.K., Joint Director (OL), welcomed the guests, while Ms. Rekha Nair, Chief Technical Officer, proposed the vote of thanks. Dr. Paromita Banerjee Sawant, Principal Scientist, conducted the proceedings of the entire program.

Following the valedictory and prize distribution ceremony, a *Kavi Sammelan* (poetic symposium) was organized, featuring highly entertaining performances by Mr. Suraj Tripathi, Mr. Yogesh Mishra, and Ms. Priyanka Sargam.



